[redacted]

4426 Sanskrit II

149802

Subject Code	4426
Subject	SANSKRIT II
Date	25/02/2025

Supplements attached

Main Answer Book		No. of Supplements		Total
1	+	0	=	1

Specific remarks of centre conductor regarding malpractices (in Red Ink)

- Mobile Phones and other electronic gadgets are strictly prohibited inside the examination hall.
- Use of non-programmable calculator is allowed ONLY in some subjects.
- Writing in any form on the Hollow craft sticker and Bar code sticker is strictly prohibited.
- Only blue ink/ball pen is to ben used for writing the answers. Black lead pencil may be used for drawing figures, diagrams and graphs. Use of any other Colour pencil/pen is strictly prohibited.
- Disclosing of identity on the answer book (except in the space provided) in any form is strictly prohibited.
- Candidate should check that the printed seat number is correct and verify that the answer book has all pages serial numbered before filling all other details.

Pg No	Examiner	Moderator	Chief Moderator
03	16	16	
04 & 05	20	20	
06 & 07	20	20	
08 & 09	08.5	08	
10 & 11	03	03	
12 & 13	12	12	
14 & 15			
16 & 17			
18			
Supp. 1			
Supp. 2			
Supp. 3			
Supp. 4			
Supp. 5			
Supp. 6			
TOTAL	79.5	79	
Total in words	Seventy Nine& half	Seventy nine	

[redacted]

MARKS	E	M	CM
Pg. 03	16		

Q. No.

1. व्यसनेषु + असक्तम् । — 01

2. गम्भीरश्च । — 01

3. चन्द्रः । — 01

4. गजः । — 01

5. अहिंसा । — 01

6. प्रकाशः । — 01

7. युवत्यः कार्यक्रमे देशभक्तिगीतं अगायन् । — 01

8. अहं नाटकं पश्यामि । — 01

9. पुत्रस्य गायकस्य नाम विवेकः । — 01

10. यूयम् सेवां कुरुथ । — 01

11. अपण्डितः । — 01

12. षष्ठीतत्पुरुषः । — 01

13. कति वर्षाणि वने वस्तव्यम् ? — 01

14. कुत्र जनाः सन्ति ? — 01

15. ङीप् । — 01

16. साप्ताहिक । — 01

Q. No.

01 17. दौवारिकः शिवाजीमहाराजस्य निष्ठावान् सेवकः।

01 18. तैत्तिरीयम्।

01 19. शिवराजविजयः।

01 20. ईश्वरदत्तशास्त्री।

01 21. अहं कथां वदिष्यामि।

~~22.~~

01 22 भक्तः देवं नमति।

23. शिशुः दुग्धं पिबति।
01

(अथवा)

23. सैनिकाः युद्धं कुर्वन्ति।
01 extra

~~24. सा दशमा~~
~~24. दशमाङ्कपद्धति~~ found cancelled.

24. साम्प्रतं या दशमाङ्कपद्धतिः समग्रे विश्वे प्रचलिता अस्ति सा नवमख्रिस्तशतकपर्यन्तम् अज्ञाता आसीत्।
01

25. अरबजनाः भारतेन सह वाणिज्यसम्बन्धं स्थापितवन्तः।
01

26. युरोपीयाः दशमाङ्कपद्धतिं अधिगतवन्तः।
01

MARKS	E	M	CM
Pg. 04 & 05	20		

Q. No.

27. ~~यदि भारतराष्ट्रम् पुना प~~ यदि भारतराष्ट्रम् पुना पद्धतिं जगते नायास्यत् तर्हि एतावती वैज्ञानिकप्रगतिः नाभविष्यदिति सुविख्यातः वैज्ञानिकमूर्धन्यः आल्बर्ट एन्स्टैन अभणत् ।
01

28. पैथागोरस-सिद्धान्तः पैथागोरसात् सहस्राधिकवर्षेभ्यः पूर्वं भारतीयैः निरूपितः।
01

29. बौधायन कात्यायनौ।
01

30. प्राची मन्दमन्दं हसति।
01

31. ~~अथ~~ वायुः ~~नन्दनं मरन्दं वहति~~ नन्दनजं मरन्दम् वहति।
01

32. ~~या प्रत्यहं किल तया मतिमाननीयां उषसि काञ्चन काञ्चनकाञ्चनीयां शोभां दधाति।~~ found cancelled
0

32. हल्दीघाटी उषसि (उषःकाले) काञ्चनकाञ्चनीयां शोभां दधाति।
01

33. ~~ततिस्तरूणां गयति इव मर्मरम् आननोति।~~ found cancelled

34. ~~वायुर्यथा~~

34. वायुः + यथा = वायुर्यथा।
01

35. विनोबाभावेमहोदयः महात्मा ~~गान्धि मह आन्धि~~ गान्धिमहोदयस्य परमः शिष्यः।
01

36. भावेमहोदयेन भगवद्गीतायाः अनुवादः कृतः।
01

33. ततिस्तरूणां गयति इव शाखाकदम्ब-कृत-मर्मरमातनोति।
01

06

Q. No.	
~~37.~~	~~आवेमद्दोय~~
01·40.	योजकः पुरुषः दुर्लभः। योजकं अक्षरं औषधम् अपि।
37. 01	आवेमद्दोययः छात्रेभ्यः काश्चन कर्गजखण्डान् दत्वा एतैः भारतस्य चित्रं सिद्धं नेयम् इति सूचितवान्।
38. 01	कर्गजखण्डानां पृष्ठतः मानवस्य चित्रं मुद्रितम् अस्ति।
39. 01	भारतस्य अखण्डतां रक्षितुं जनानां मनोमिलनम् आवश्यकम्।
~~40.~~	~~योजकः पुरुषः दुर्लभः वा अक्षरः वा औषधम् दुर्लभः।~~ found cancelled.
01·41.	महाजनस्य संसर्गः उन्नतिकारकः।
~~40.~~	~~योजकः पुरुषः दुर्लभः। योग्यः अक्षरं औषधमपि~~ found cancelled
42. 01	योग्यः x अयोग्यः।
43. 02	काञ्चुकीयः रामं प्रति वदति। ('मातुराज्ञा गरीयसी।')
44. 02	मदालसा कुण्डलां प्रति वदति। ('मदालसा।')
45. 02	संन्यासी दौवारिकं प्रति वदति। ('दौवारिकस्य निष्ठा।')
46. 02	धर्मनिष्ठ: त्वं सर्वदा सर्वेषु धर्मेषु समत्वबुद्धिं धारय। ~~सर्वे धर्मा~~ सर्वे धर्माः मानव्यमाङ्गल्यपराः भगवत्प्रणीताः उपायाः हि।
~~40.~~	~~योजकः पुरुषः (वा अक्षरः वा योजकम् औषधम्) दुर्लभः।~~ found cancelled.

MARKS	E	M	CM
Pg. 06 & 07	20		

07

Q. No.

47. सः प्रजानां भूत्यर्थं एव ताभ्यः बलिम अग्रहीत। (यथा हि) रवि: सहस्रगुणम ~~उत्स~~ उत्स्रष्टुम रसम आदत्ते।

02

~~48. तैत्तिरि~~

48. ~~तैत्ति~~ तैत्तिरीय उपनिषद से लिए गए पाठ 'अनुशासनम्' में आचार्य वेद पढ़कर शिक्षा देते हैं। वे कहते हैं कि यदि कर्म में या आचरण में कोई संदेह हो तो वहाँ स्थित ब्राह्मणों की तरह बनो, जो विवेकशील, ज्ञान विज्ञान में तृप्त, ~~स~~ स्वतंत्र निर्णय लेने में सक्षम, कोमल हृदय तथा धार्मिक हों और कर्तव्यपरायण हों। संदेह होने पर हमें ऐसे ब्राह्मणों की तरह बर्ताव करना चाहिए। ऐसी शिक्षा आचार्य शिष्य को देते हैं।

02

~~49. राम को चौदह साल तक वनवास करना पड़ेगा~~
found cancelled

49. भास से लिखा हुआ नाटक है प्रतिमानाटकम्। प्रतिमानाटक से लिए गए पाठ ~~मातुसा~~ मातुरास्या गरीयसी में जब लक्ष्मण ~~को~~ राम के चौदह वर्ष के वनवास के बारे में पता चलता है तो वह अत्यंत क्रोधित होकर धनुष्य उठाता है और राम से भी वही कहता है। यह देखकर सीता कहती है, "शोक मनाने के समय लक्ष्मण धनुष्य उठा रहा है। यह ~~उसी~~ उसकी हरकत अपूर्व है।" राम का इसपर विचार है कि, "मेरे हाथ से राज्य चला गया, इसमें लक्ष्मण को इतना क्रोध क्यों है?" वह कहते है, "लक्ष्मण, अगर सचमुच बाण चलाना है तो मुर्छित हुए दशरथ राजा को बचाओ"

02

(अथवा)

49. आचार्या वेदकुमारी घई द्वारा लिखे 'पुरन्ध्रीपंचकम्' के तीसरे रूपकमें मदालसा अपने पुरुषों के बारे में

Q. No.

विचार प्रकट करती है। उसे पुरुषों के साथ स्थायी करके रहना बन्धनकारक लगता है। वह कहती है कि पुरुष अपना हक जमाते है। उसे किसी पुरुष (या दूसरे) के ~~तल~~ ताल पर नहीं नाचना। जैसे युधिष्ठिर ने अपनी पत्नी को द्यूत में हारा। ~~और~~ पत्नी शैव्या को अपने पति ने बेच डाला। ये उदाहरण देकर मदालसा
02 पुरुषों की तरफ अपनी घृणा दिखाती है।

Extra

50\. श्री भा. वर्णेकर द्वारा लिखित 'शिवराज्योदयम्', इस महाकाव्य में जिजामाता अपने पुत्र पर अच्छे संस्कार कर उसे सदाचारी बनाती है। सज्जनों के विषय में वे शिवराय से कहती हैं कि संत (सज्जन व्यक्ति) समाज में रहे या एकांत में, तुम्हें उनके सुवचनों पर ~~श्रद्ध~~ सदा श्रद्धा रखनी चाहिए। ~~इ~~ इससे अधिक श्रेयस्कर चीज दुनिया में नहीं है।
02 उनके सुवचनों को सुनकर वैसे बर्ताव करना चाहिए।

51\. महाकवि कालिदास द्वारा ~~लि~~ लिखित 'रघुवंशम्' इस महाकाव्य में कवि रघुकुल के राजाओं का वर्णन करते है। वे दिलीप राजा का वर्णन करते हुए यह कहते है कि जैसे रोगी को (कडवा) औषध प्रिय है, वैसे ही दिलीप राजा को सज्जन व्यक्ति, शत्रु होने पर भी, प्रिय है। जिसप्रकार साँप ने डँसी हुई अँगुली अप्रिय (हानिकारक) है उसी प्रकार राजा दिलीप ~~को दु~~ के लिए दुष्ट व्यक्ति, प्रिय
02 मित्र होने पर भी, त्याग करने लायक है।

(अथवा)

51\. ~~स~~ 'सुभाषित सौरभम्' से लिया गया यह ~~श्लोक~~ ~~श्ल~~ श्लोक हमें शास्त्र का महत्व बताता है। श्लोक के अनुसार, शास्त्र सभी संशयों में छेद करता है, और सभी संशय मिटाता है। शास्त्र,

MARKS	E	M	CM
Pg. 08 & 09	08.5	08	

Q. No.

जिसे आँखों से दिखाई नहीं देता, उसे रास्ता दिखाता है।
जो शास्त्र में नहीं मानता, वह खुद अंधा होता है।

1½ ext

52. अधुना विज्ञान का युग है। आज तो संपूर्ण मानवजीवन विज्ञान से प्रभावित है। विज्ञान ने मानवों को यातायात सुलभ साधन दिए हैं। विज्ञान के सदुपयोग से ही सभी (लोगों) का हित ~~निश्चित होगा~~ है। होता है।

02

(अथवा)

52. पर्यावरण की हानि हमारे देश में एक जटिल समस्या है। उसके निवारण के लिए केवल शासनों के प्रयत्न काफी नहीं है। हम सब भी दोषी (हैं)। इसलिए हमारे ही प्रयत्नों से जल्दी (निवारण) होगा।

02 extra

53. शठ, दुर्जन व्यक्ति हजारों लोगों के समझाने पर भी सज्जनता को नहीं अपनाता। (जैसे) सुधा समुद्र (क्षीरसागर) में बहुत वक्त से स्थित मन्थार पर्वत कोमलता नहीं प्राप्त करता॥

दुष्ट लोग कानों में अमृतरूपी वचनों को सुनकर भी दोषों को ~~खोजते~~ (ढूँढने का) प्रयत्न करते है। (जैसे) कैलिवन (बाग) में प्रवेश कर ऊँट काँटों को ही देखता है॥

2½
03

~~अथवा~~ (अथवा)

53. मिट्टी ने मुझे शरीर दिया
~~प्रका~~ प्रकाश से मुझे आँखो में रोशनी मिली
पानी से आँखो में आँसू निर्मित हैं
हवा से मेरा साँस लेना जारी है बिना रुके
आकाश ने मुझे (इतना)(विशाल) मन दिया है उसी की तरह
(कि) मैं उस आकाश को भी आलिंगन दे सकूँ।

03 Extra

Q. No.

54. श्री. भा. वर्णेकर

श्री भा. वर्णेकर का जन्म 31 जुलै 1918 को नागपुर में हुआ। उनका पूरा नाम है श्रीधर भास्कर वर्णेकर। वे संस्कृत भाषा के वक्ता, कवि, विद्वान तथा संगीतज्ञ के रूप में प्रसिद्ध हैं।

• श्री. भा. वर्णेकर बचपन से ही अत्यंत प्रतिभा संपन्न थे। उन्होंने 13 वर्ष की आयु में 'रघुवंश' इस महाकाव्य की अनेक पंक्तियाँ कंठस्थ कर ली थी। उन्होंने पारंपारिक रूप से संस्कृत का अध्ययन किया और संस्कृत में पदवी प्राप्त की। नागपुर विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष के रूप में उन्होंने काम संभाला।

उन्होंने 'शिवराज्योदयम्' नाम का महाकाव्य लिखा, जिसमें 68 सर्ग हैं। इसमें शिवराय के बाल्यजीवन से लेकर उनके राज्याभिषेक तक के किस्से लिखे हुए हैं। उनके काम के लिए उन्हें कई पुरस्कार प्राप्त हुए - जैसे, राष्ट्रपति पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार (1974), कालिदास पुरस्कार, डॉ हेडगेवार प्रज्ञा पुरस्कार, आदि। उनके काम के लिए उन्हें 'प्रज्ञाभारती' यह पदवी दी गयी है।

03

MARKS	E	M	CM
Pg. 10 & 11	03		

Q. No.

(अथवा)

54. रघुवंशम्

महाकवि कालिदास द्वारा रचित महाकाव्य है 'रघुवंशम्'। यह कालिदास के 7 प्रमुख कृतियों में से एक है। इसमें 19 सर्ग है। 19 सर्गों में कवि ~~क~~ ने 29 रघुकुल के राजाओं का 21 छन्दों का प्रयोग ~~कर~~ कि करके रघुकुल के राजा दिलीप, रघु, दशरथ, राम, कुश आदि का वर्णन किया है। ये ~~राजा~~ सभी राजा समाज में आदर्श स्थापित करने में सफल रहे। 19 सर्गों में से 6 सर्गों में केवल श्री राम का वर्णन है।

वाल्मीकि रामायण में लेखक ~~ने~~ ने राम को नायक मानकर कथा लिखी है जो पूरे भारत और विश्व में मानी जाती है, अलग-~~अल~~-अलग भाषाओं में प्रचलित की जाती है। परन्तु कालिदास ने किसी एक नायक को पात्र बनाकर कथा नहीं रची है। इसमें सभी रघुकुल ~~क~~ के राजाओं का वर्णन ~~है~~ है जो दिलीप से शुरू होकर अग्निवर्ण तक समाप्त ~~होती है~~ होता है।

अन्त में, अग्निवर्ण के मरण के उपरांत उसकी गर्भवती पत्नी का राज्याभिषेक होकर इस कहानी की इतिश्री होती है। ~~'रघुवंशम्' के प्रमुख पात्र हैं - राम, भरत~~

(3) Extra

Q. No.

55. माधुरी - नमोनमः सुशीले! भवती अस्माकं स्पर्धायाः परीक्षकरूपेण आगन्तुं शक्नोति वा?

सुशीला - का स्पर्धा अस्ति?

माधुरी - अस्माभिः महिलादिननिमित्तं रङ्गावलिस्पर्धा आयोजिता अस्ति।

सुशीला - स्पर्धायां ~~क~~ कति महिलास्पर्धकाः भागं स्वीकरिष्यन्ति?

माधुरी - आहत्य विंशतिः महिलास्पर्धकाः ~~[illegible]~~ भागं स्वीकरिष्यन्ति।

सुशीला - स्पर्धा कदा अस्ति?

04 माधुरी - आगामिनि रविवासरे, सायं 5 वादने।

MARKS Pg. 12 & 13	E	M	CM
	12		

Q. No.

56 अनिकेतः
पणजीनगरम्
दिनाङ्कः २५ फेब्रुवारी २०२५

प्रिये अनुजे,
शुभाशीर्वादाः।

अत्र कुशलं तत्रास्तु। गृहे सर्वे कुशलिनः इति चिन्तयामि। अस्माकं विद्यालये पर्यावरणदिनोत्सवः ~~आयोजितः~~ अभवत्। प्रकृतेः रक्षणम् अस्माकं परमध्येयम्। जगति प्रदूषणस्य समस्या वर्धमाना अस्ति इति भवती जानाति एव। एषा समस्या वृक्षारोपणेन एव निराकर्तुं शक्यते। भवती अपि वृक्षारोपणेन पर्यावरणरक्षणाय स्वयोगदानं ददातु।
मातृचरणयोः प्रणामाः।

तव अग्रजः
अनिकेतः।

04

57. चित्रे त्रयः बालकाः सन्ति।
चित्रे शुनकः अस्ति।
बालकाः शुनकः च बुभुक्षिताः ~~[illegible]~~ सन्ति। एकः बालकः ~~बालकाः~~ दण्डेन आम्रवृक्षात् आम्रफलं पातयति।
चित्रे आम्रवृक्षस्योपरि आम्रफलानि पक्वानि सन्ति।
चित्रे जलाशयः वृक्षाः च सन्ति।
द्वौ बालकौ वृक्षस्योपरि ~~स्थितानि~~ स्थितानि पक्वानि आम्रफलानि पश्यतः।
वृक्षे त्रयः खगाः ~~[illegible]~~ अपि सन्ति।

04

Q. No.

MARKS	E	M	CM
Pg. 14 & 15			

Q. No.

Q. No.

MARKS	E	M	CM
Pg. 16 & 17			

Q. No.

MARKS Pg. 18	E	M	CM

Q. No.